Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | HISTORY

तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

अध्याय-2 | भाग-4

एकदम BASIC से!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1. रोमन साम्राज्य का शहरीकरण
2. तीसरी शताब्दी का संकट

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

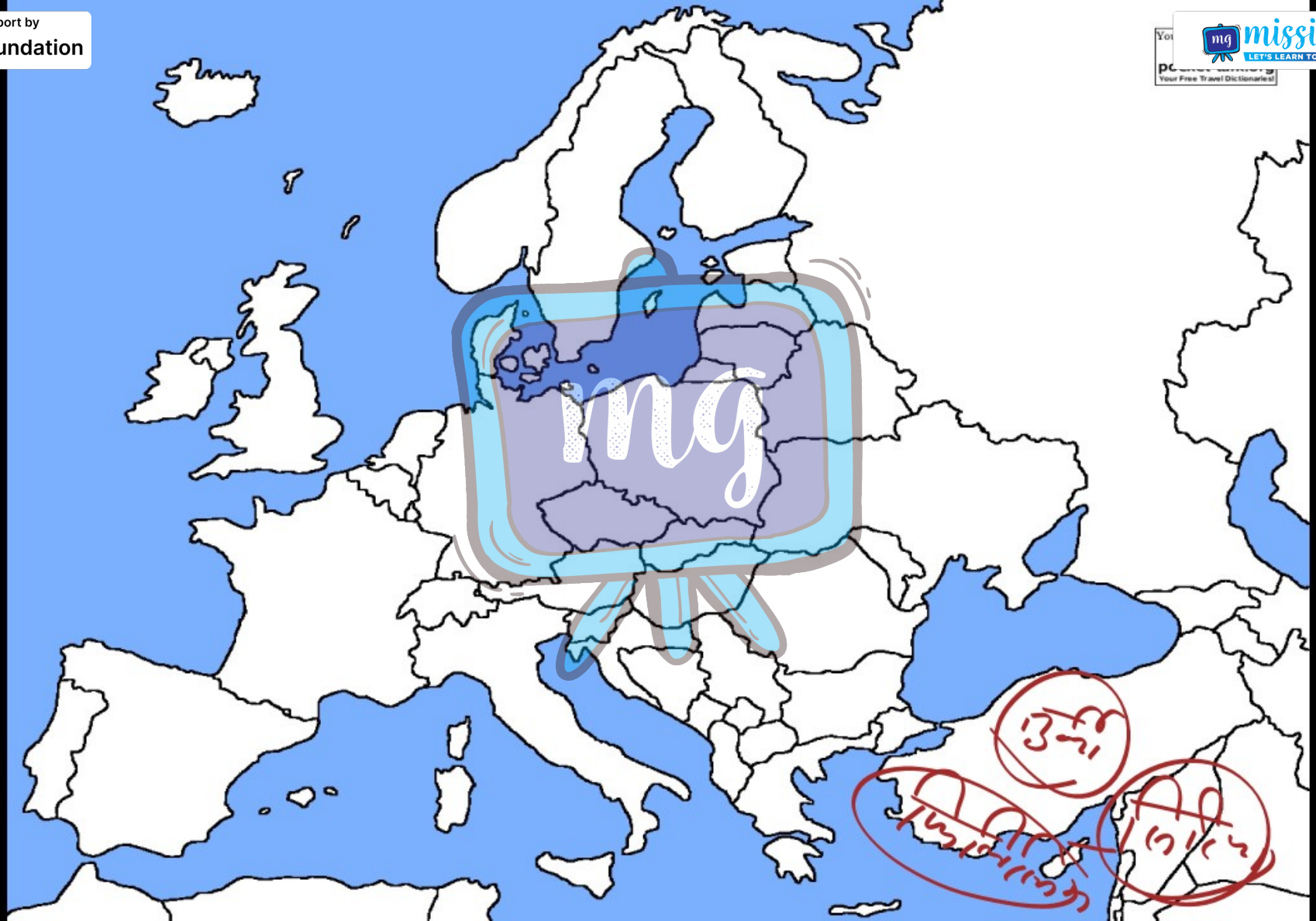

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

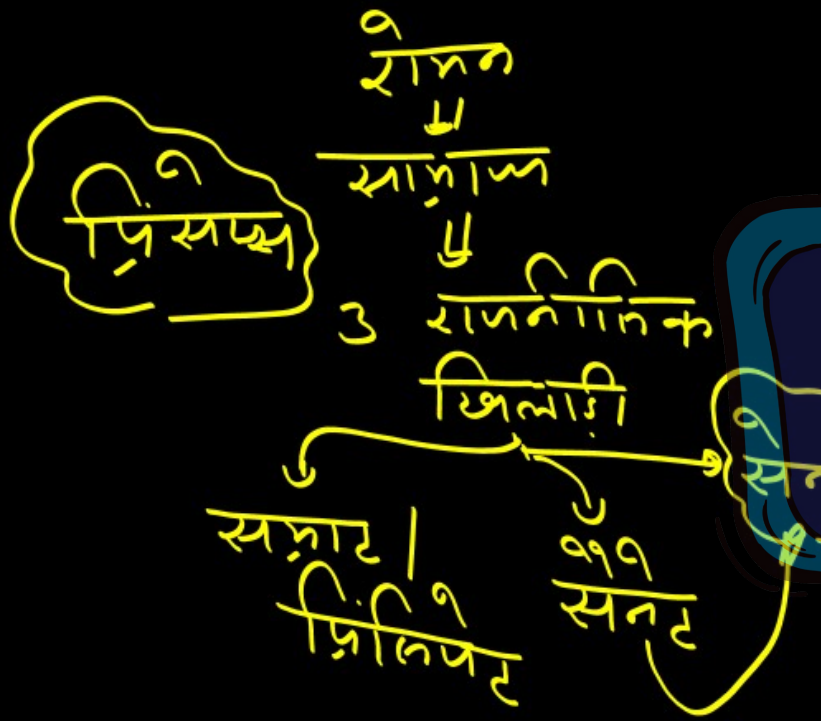

सम्राट

- सफलता सेना पर नियंत्रण रखने से निर्धारित होती थी।
- सेना के विभाजन का परिणाम गृहयुद्ध होता था।
- 69 ई. को छोड़कर एक के बाद एक 4 सम्राटों ने सत्ता प्राप्त किया।
- पहली दो शताब्दियों में गृहयुद्ध नहीं हुआ।
- सत्ता पारिवारिक वंशक्रम पर आधारित थी।
- उत्तराधिकारी → प्राकृतिक व दत्तक हो सकता था।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

→ जब किसी देश/सीमाओं के अन्दर ⇒ दो समूहों के मध्य
⇓
सत्ता प्राप्त करने व अन्य कारणों से आपस में
⇓
गृहयुद्ध ← प्रतिरोध

गृहयुद्ध

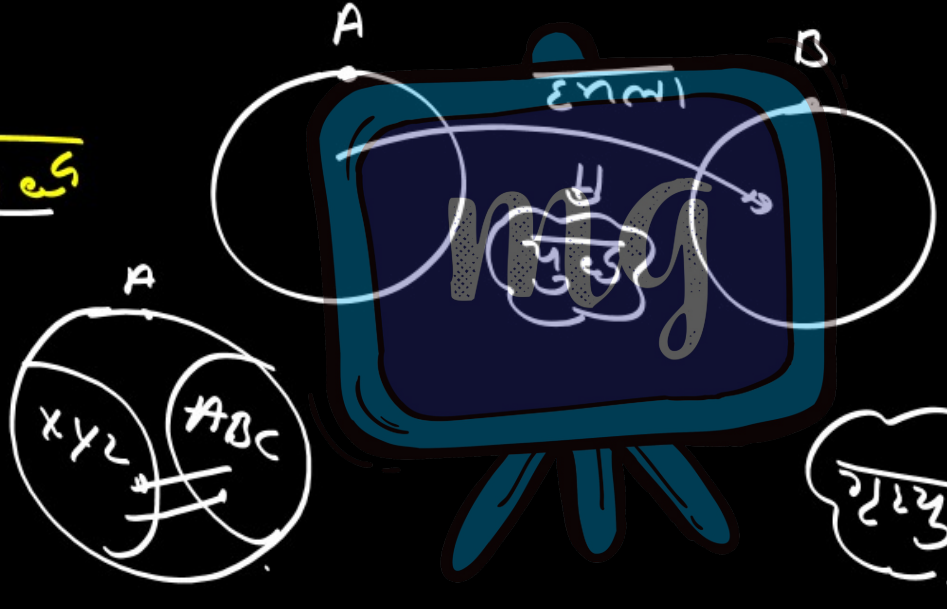

Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

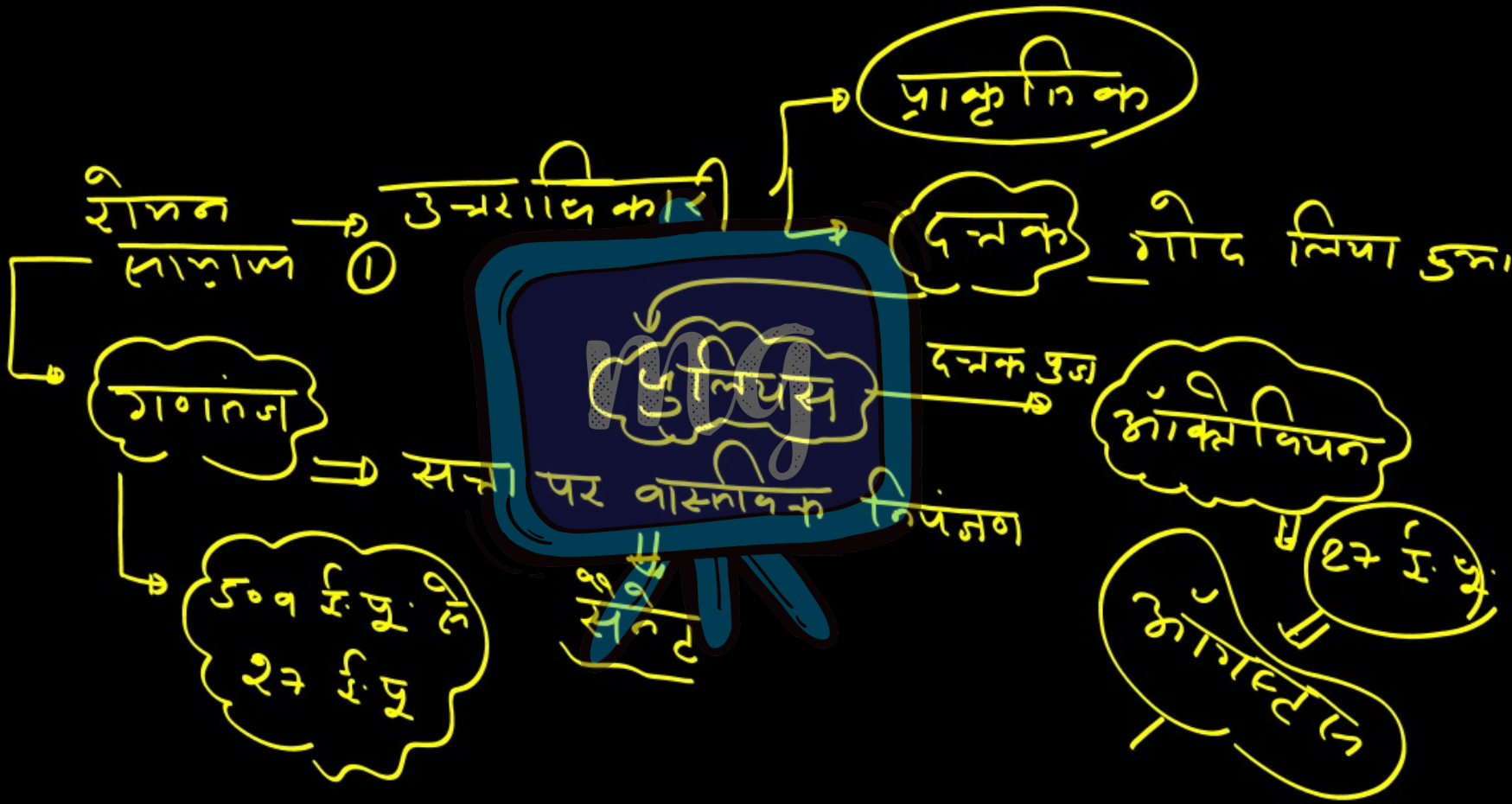

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

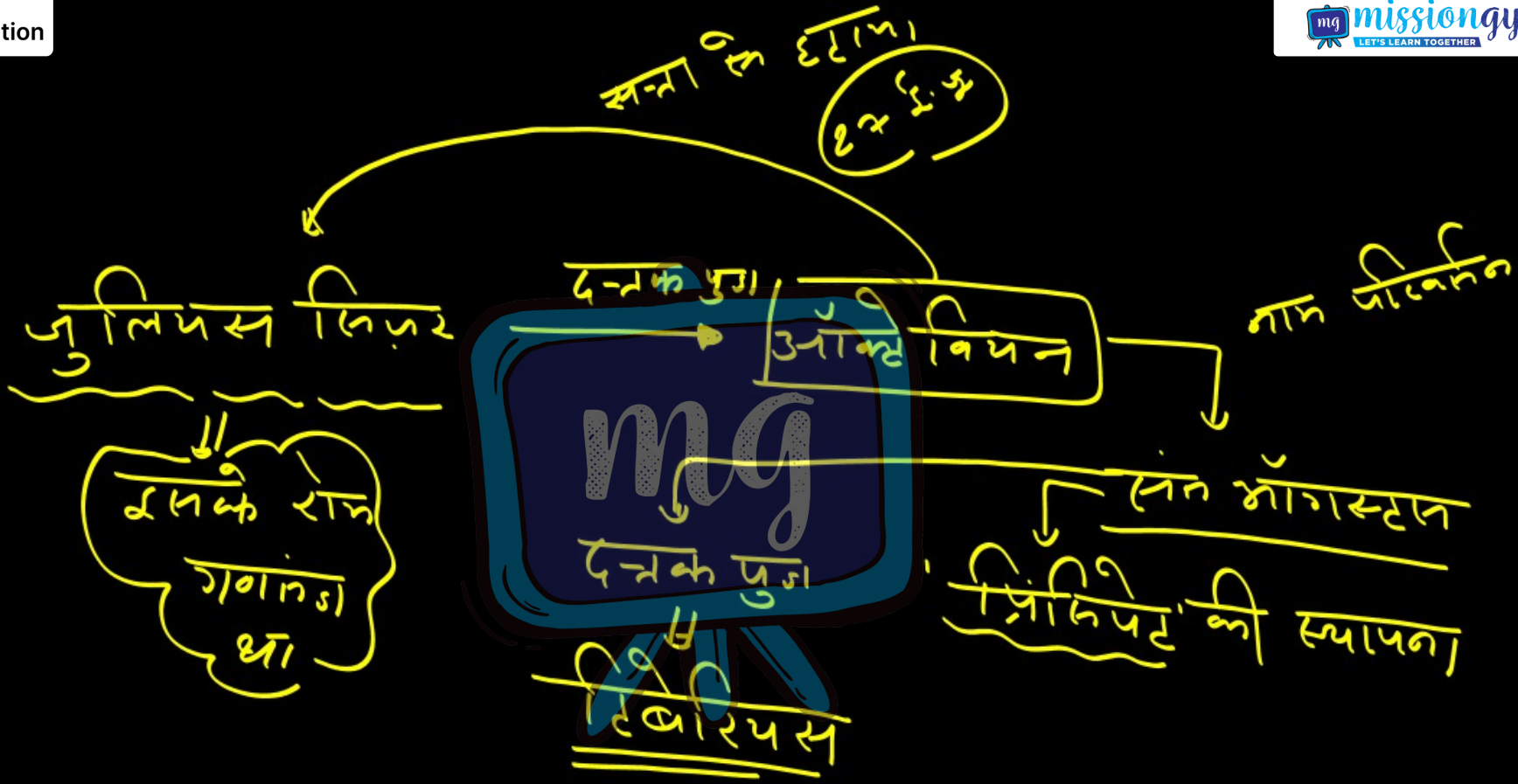

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रोमन साम्राज्य का शहरीकरण

- रोमन साम्राज्य के विस्तार के लिए अनेक आश्रित राज्यों को रोम के प्रांतीय राज्य क्षेत्र में मिला लिया गया।
- निकटवर्ती पूर्व और फ़रात नदी के पश्चिम के (रोम राज्य क्षेत्र की ओर) क्षेत्रों को रोम द्वारा हड़प लिया गया।
- ये राज्य अत्यंत समृद्ध थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

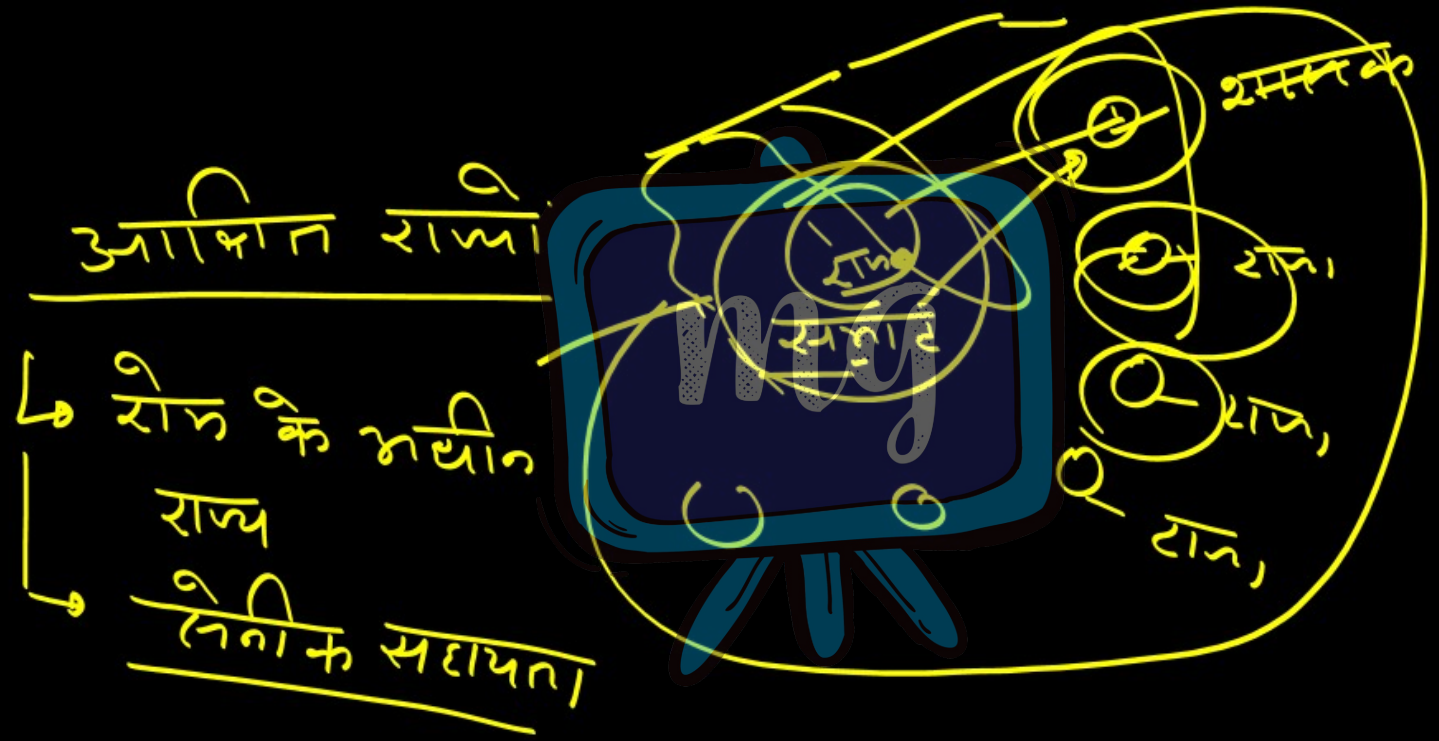

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- साम्राज्य पर नियंत्रण के लिए नगरों की स्थापना
- उदाहरण → भूमध्य सागरीय तटों पर
  - कार्थेज – ट्यूनिशिया
  - सिकंदरिया → मिस्र
  - एंटिऑक → तुर्की

☛ इन्ही शहरों के माध्यम से सरकार प्रांतीय ग्रामीण क्षेत्रों पर कर लगाती थी।

☛ स्थानीय उच्च वर्ग रोमन साम्राज्य को कर वसूली और प्रशासन के कार्य में सक्रिय सहायता देते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरी और तीसरी शताब्दी में अधिकांश प्रशासक व सैनिक अफ़सर उच्च प्रान्तीय वर्ग से संबंधित थे।
- परिणामस्वरूप → नया सभ्रांत वर्ग बना
  i. सैनेट के सदस्यों से अधिक शक्तिशाली
  ii. सम्राटों का समर्थन प्राप्त था।
  iii. सम्राट गैलीनस (253 – 68) ने सैनेटरों को सैनिक कमान से हटा कर इस नए वर्ग के उदय को सुदृढ़ बनाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- रोम के संदर्भ में नगर एक ऐसा शहरी केन्द्र था जिसके अपने दण्डनायक, नगर परिषद और अपना एक सुनिश्चित राज्य क्षेत्र था।
- शहर के अधिकार क्षेत्र में कई गाँव थे।
- गाँवों को शहरों का दर्जा व शहरों को गाँवों का दर्जा दिया जा सकता था।
- सार्वजनिक स्नान-गृह → रोम के शहरी जीवन की विशेषता थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- शहरी लोगों को उच्च – स्तर के मनोरंजन उपलब्ध थे।

  उदाहरण → एक कैलेंडर से हमें पता चलता है कि एक वर्ष में कम से कम 176 दिन वहाँ कोई-न-कोई मनोरंजन कार्यक्रम या प्रदर्शन अवश्य होता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट गैलीनस

i. सैनेटरों को सैनिक कमान से हटाया

ii. सैनेटरो को सेना में सेवा करने पर पाबंदी

- ताकि साम्राज्य पर नियंत्रण उनके हाथ में न जाए
- दूसरी और तीसरी शताब्दी तक सेना व प्रशासन में अन्य प्रांतों से भी आने लगे थे जबकि पहले केवल इटली से आते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सैनेट में तीसरी शताब्दी तक →
  - इतालवी मूल के लोगों का प्रभुत्व रहा।
  - परंतु बाद में प्रांतों के सैनेटरों की संख्या बढ़ी।
- रोमन साम्राज्य में आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से इटली का पतन हुआ।
- भूमध्य सागर के समृद्ध व शहरीकरण भाग
- जैसे – स्पेन के दक्षिणी भाग, अफ्रीकी व पूर्वी भागों में नए सभ्रांत वर्गों का उदय हुआ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तीसरी शताब्दी का संकट

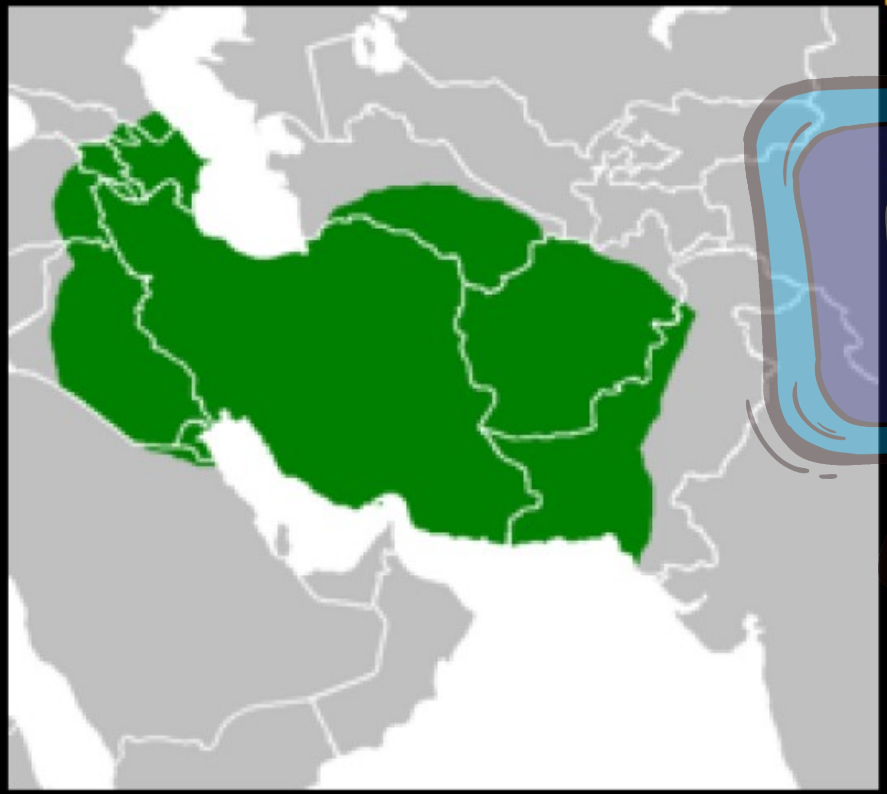

1. 230 के दशक में (233-280 ईस्वी)
2. विदेशी आक्रमण
   - ‘ससानी’ राजवंश (फारसी) का बढ़ता प्रभाव (225 ई.)
   - 15 वर्षों में फ़रात नदी तक विस्तार
   - शिलालेख → शापुर प्रथम ने
     - 60,000 रोमन सेना का सफाया कर दिया।
     - रोम साम्राज्य की पूर्वी राजधानी एंटिऑक पर कब्जा किया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. जर्मन मूल की जनजातियों/राज्य समुदायों

जैसे – एलमन्नाइ, फ्रैंक और गोथ

- राइन तथा डैन्यूब नदी तक नियंत्रण
- 233 से 280 → काला सागर से लेकर आल्पस तक और दक्षिण जर्मनी तक आक्रमण

अत: रोमनवासियों को डैन्यूब से आगे का क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

- इन आक्रमणों को रोमवासी 'विदेशी बर्बर' कहा करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. राजनैतिक अस्थिरता (सैन्य अराजकता)
   - ❖ तीसरी शताब्दी में 47 वर्षों में 25 सम्राट सत्तासीन हुए।
5. आर्थिक मंदी
6. साम्राज्य का विभाजन
   - → गैलिक साम्राज्य
   - → पल्मीरीन साम्राज्य
   - → इटली केन्द्रित रोमन साम्राज्य